ओमशान्ति मीडिया

मूल्यनिष्ठ समाज की रचना के लिए समर्पित

वर्ष - 13 अंक - 5 जून - I, 2012 (पाक्षिक) माउण्ट आबू मूल्य 7.00 रु.

सकारात्मक बदलाव लाने का दायित्व निभाये मीडिया

ब्र.कु.शिवानी ने सभी को सदा खुश रहने की कला के सूत्र बतलाते हुए कहा कि पहले हम छोटी-छोटी बातों में खुश हो जाया करते थे लेकिन अब हमें तनाव में लाने के लिए बड़ी बातों की नहीं छोटी सी बात ही काफी है। हमने यह अपनी गलत धारणा बना ली है कि गुस्से किए बगैर लोगों से काम ही नहीं लिया जा सकता। काम तो हो जाता है लेकिन गुस्सा करने का हमारा संस्कार बनने से कार्यक्षेत्र ही नहीं बल्कि हमारे परिवार में भी प्रकट होने लगता है। प्यार से काम कराने

-शेष पेज 4 पर

ब्रह्माकुमारी संस्था के मीडिया प्रभाग के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ब्र.कु.करूणा ने सभी मीडिया कर्मियों को संस्था द्वारा की जा विश्व व्यापी सेवाओं की जानकारी देते हुए बताया कि संस्था द्वारा अपना 24 घण्टे चलने वाला आध्यात्मिक चैनल **'पीस ऑफ माइण्ड'** आरम्भ किया गया है। उन्होंने इस ईश्वरीय कार्य में सभी को शामिल होने का आह्वान किया।

ज्ञानसरोवर (माउण्ट आबू)। सूचना सम्प्रेषण के सशक्त माध्यम मीडिया की भूमिका इतनी सक्षम है कि वह लोगों के विचारों में बदलाव ला सकता है और ऐसे ही सकारात्मक बदलाव से साफ-सुथरे समाज का निर्माण किया जा सकता है। मीडिया का काम जोड़ना है ना कि तोड़ना। वर्तमान दौर में मीडिया की भूमिका माँ जैसी है, जो चाहे तो अपने बच्चे को भगवान बना दे या चाहे तो शैतान।

उक्त उद्गार आल इंडिया रेडियो की संयुक्त महानिदेशिका टी.डोलकर ने ब्रह्माकुमारी संस्था द्वारा आयोजित मीडिया सम्मेलन में भारत तथा नेपाल से आए मीडिया कर्मियों को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किए। उन्होने कहा कि आज मीडिया का दायित्व बोध कम होता दिखाई दे रहा है। मीडिया को सच्चाई व ईमानदारी से लोगों को इंसाफ दिलाने तथा समाज में बढ़ रही कुरीतियों को रोकने की सार्थक पहल करनी चाहिए। आज अधिकतर मीडिया में भड़काने वाले समाचारों को ही प्रमुखता जाती है। जिससे सामाजिक व्यवस्था प्रभावित हो रही है। ब्रह्माकुमारी संस्था द्वारा मूल्यनिष्ठ समाज के लिए किए जा रहे प्रयास सराहनीय हैं।

ब्रह्माकुमारी संस्था की संयुक्त मुख्य प्रशासिका दादी रतनमोहिनी ने कहा कि देहभान से पैदा हो रहे विभिन्न प्रकार के भेदों से समाज बंट रहा है। परमात्मा शिव आत्मिक भान द्वारा सर्व आत्माओं में वसुधैव कुटुम्बकम का भाव जागृत कर आपसी एकता व प्रेम स्थापित कर रहे हैं।

मीडिया कॉन्फ्रेंस का दीप प्रज्ज्वलित कर उद्घाटन करते हुए दादी रतनमोहिनी, ब्र.कु.निर्वैर, ब्र.कु.करूणा, ब्र.कु.ओमप्रकाश, मानसिंह परमार, ब्र.कु.शांतनु, ब्र.कु.आत्मप्रकाश, ब्र.कु.सुशांत तथा अन्य।

देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर के पत्रकारिता विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो.डा.मानसिंह परमार ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में विश्व में निरंतर अशांति बढ़ती जा रही है। अश्लीलता से लोगों के मन में विकृतियां हावी हो रही हैं। जिसकी वजह से समाज में अशांति फैल रही है व भय-असुरक्षा का माहौल बनता जा रहा है।

ब्रह्माकुमारी संस्था के महासचिव ब्र.कु.निर्वैर ने कहा कि दुनिया में बढ़ रही हथियारों की होड़ चिन्ताजनक है। मन जितना प्रदूषित होता जा है शांति उतनी ही मनुष्य से दूर होती जा रही है। आंतरिक शक्तियों को बढ़ाकर विश्व में शांति एरां सद्भाव लाना ही इस सम्मेलन का उद्देश्य है। मीडिया प्रभाग के अध्यक्ष ब्र.कु. ओमप्रकाश ने कहा कि आज का मीडिया क्रिकेट, क्राइम तथा सेलिब्रेटी पर केन्द्रित होकर रह गया है। यही कारण है कि मीडिया में भी मूल्यों की गिरावट तेजी के साथ हो रही है। स्वयं में सकारात्मकता लाकर ही समाज को सही दिशा की ओर प्रेरित किया जा सकता है।

मीडिया प्रभाग के उपाध्यक्ष ब्र.कु.करुणा ने सभी मीडिया कर्मियों का

-शेष पेज 3 पर

मीडियाकर्मियों का आंतरिक सशक्तिकरण जरूरी

ज्ञानसरोवर। मुम्बई से आए सुप्रसिद्ध फिल्म अभिनेता सुरेश ओबेराय ने मीडिया सम्मेलन के समापन सत्र को सम्बोधित करते हुए कहा कि पिछले दो वर्षों से निरंतर राजयोग मेडिटेशन का अभ्यास करने के पश्चात यह अनुभव हुआ कि स्व अर्थात आत्मा के स्वरुप में स्थित होकर ही सच्ची सुख-शांति का अनुभव किया जा सकता है। आत्म-सशक्तिकरण से ही अवगुणों से मुक्त हो सकते हैं। वर्तमान समय मीडिया और फिल्मों से लगातार पारिवारिक वातावरण व संस्कृति बिगड़ती जा रही है। कई बार फिल्म निर्माता व मीडिया से जुड़े लोग यह सोचते

-शेष पेज 3 पर

मीडिया सम्मेलन के समापन सत्र में मंचासीन हैं चिन्मय शर्मा, मधुकर द्ववेदी, ब्र.कु.आस्पी, ब्र.कु.अशोक गवा, फिल्म अभिनेता सुरेश ओबराय, ब्र.कु.विजया तथा अन्य।